



पाठ-५
दोस्त की पोशाक

• कठिन शब्द

१-परिचय	५-गपशप
२-बन-ठनकर	६-भडकीला
३-अनय	७-गर्मजोशी
४-स्वागत-सत्कार	८-मुलाकात

• शब्द अर्थ

१-गपशप-दोस्ताना बातचीत	५-भडकीला-चमकीला
२-परिचय-ज्ञान-पहचान	६-बन-ठनकर-सज-सँवर कर
३-गर्मजोशी-बहुत खुशी के साथ	७-अन्य-दूसर
४-मुलाकात-मिलना, भेंट	८-स्वागत-सत्कार-आवभगत करना

• अति लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ नसीरुद्दीन के मित्र का नाम क्या था?

उ-१ जमाल साहब।

प्र-२ नसीरुद्दीन अपने मित्र के लिए क्या लाए?

उ-२ अचकन।

प्र-३ नसीरुद्दीन अपने मित्र को लेकर सबसे पहले किससे मिलने गए?

उ-३ अपने पड़ोसी।

• लघु प्रश्न-उत्तर

प्र-१ जमाल साहब लोगों से क्यों नहीं मिलना चाहते थे?

उ-१ क्यों कि जमाल साहब की पोशाक मामूली थी।

प्र-२ नसीरुद्दीन के पड़ोसी ने उनके मित्र की पोशाक की असलियत कैसे जानी?

उ-२ नसीरुद्दीन ने अपने मित्र का परिचय करवाते समय पोशाक की असलियत बता दी थी जिससे पड़ोसी को पता चल गया।

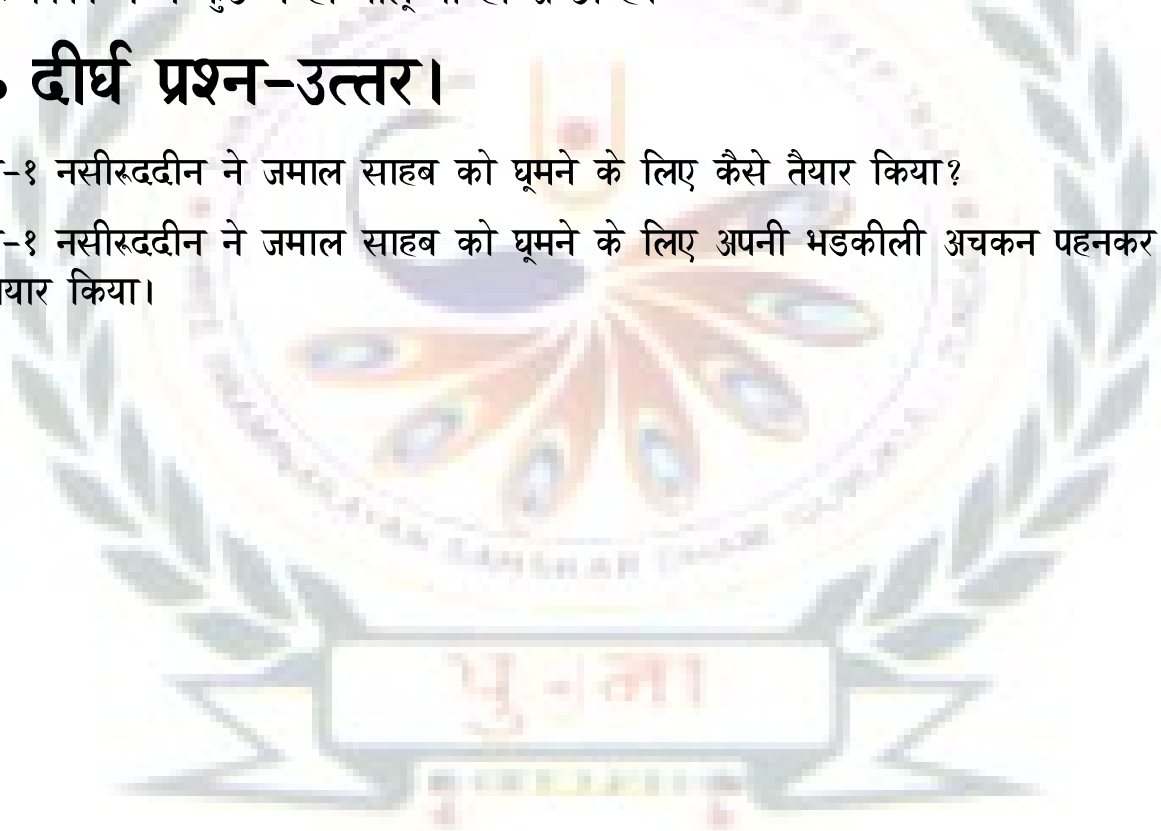
प्र-३ नसीरुद्दीन ने अंत में अपने मित्र का परिचय किससे और कैसे करवाया?

उ-३ अंत में नसीरुद्दीन ने पड़ोसी से मित्र का परिचय करवाते हुए कहा इनकी पोशाक के विषय में मैं कुछ नहीं बोलूँ वो ही अच्छा है।

• दीर्घ प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ नसीरुद्दीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए कैसे तैयार किया?

उ-१ नसीरुद्दीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए अपनी भडकीली अचकन पहनकर तैयार किया।



निबंध-पेड हमारे मित्र

पेड का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, इससे हमें शुद्ध ताजी हवा मिलती है जो हमें जीने के लिए बहुत जरूरी है, पेड से हमें फल, फूल, सबजियाँ, लकड़ी आदि चीजें मिलती हैं। लकड़ी से फर्नीचर, कागज, गोंद, मचिस आदि बहुत सारी वस्तुएँ तैयार की जाती हैं।

इसके इलावा पेडों से बहुत सारियाँ औषधियाँ तैयार की जाती हैं जो हमारे शरीर से संबंधित कई प्रकार के रोगों का इलाज करने में मदद करती हैं और तपती धूप में ये हमें छाया देते हैं गर्मी से बचाने में मदद करते हैं

यह कहान गलत नहीं होगा के पेड हमारे कितने बड़े मित्र हैं पेडों की जड़े मिट्टी को कसकर जकड़ें रहती हैं जिस वजय से उपजाऊ मिट्टी हवा में उडने से बची रहती हैं। पेड समय सर बारिश लाने में मदद करते हैं।

सरकार ने भी पेडों को बचाने के लिए बहुत सारे कदम उठाये हैं इसके लिए कई नियम और कानून लागू किये हैं, हर वर्ष एक जुलाई से सात जुलाई तक वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को पेडों के प्रति जागरूक किया जाता है।





पाठ- ६

नाव बनाओ नाव बनाओ

• कठिन शब्द

- | | |
|-----------|----------|
| १-कूडे | ६-रोलो |
| २-अडती | ७-लपकना |
| ३-हर्षाओं | ८-खोट |
| ४-आलस | ९-गुल्लक |
| ५-टटोलो | १०-नाव |

• शब्द अर्थ

- | | |
|----------------------|---------------------|
| १-पानी-जल | ५-धरेगा-रखेगा |
| २-नदी-सरिता | ६-अडती-स्कती, अटकती |
| ३-लपक-फुरती से, तेजी | ७-रोलो-लुढ़काओ |
| ४-टटोलना-ढूढ़ना | |

• अति लघु प्रश्न-उत्तर

- प्र-१ नाव छप-छप करती हुई किससे अडती है?
उ-१ कूडे से।
- प्र-२ किसे जल्दी आने के लिए कहा गया है?
उ-२ भैया को।
- प्र-३ किसके खोट की विषय मे बात की है?
उ-३ आलस की।

• लघु प्रश्न उत्तर।

प्र-१ आकाश में बादल के छा जाने से क्या होता है?

उ-१ आकाश में बादल छाने से पानी बरसात है।

प्र-२ कवि भैया से किसकी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहता है।क्यों?

उ-२ कवि की गुल्लक में पैसे कम है।इसलिए भैया को अपनी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहते है।

प्र-३ कागज की नाव किससे लडती हुई आगे बढ़ती है?

उ-३ कागज की नाव लहरों से लडती हुई आगे बढ़ती है।

अनुच्छेद- प्रिय शिक्षक

शिक्षक हमारे जीवन में वह व्यक्ति होता हैं जो हमें अच्छी शिक्षा के साथ बहुत सी अन्य महत्वपूर्ण चीजों को सिखाता है।मेरे स्कूल के सभी शिक्षक मुझे प्रिय है, वह बहुत ही अच्छे संस्कार सिखाते है पढ़ाई के साथ-साथ हमें खेल कूद भी करवाते है कहानी सुनकर पाठ समझते है, कई बार तो हम बच्चों से नाटक करवा कर हमें अध्याय समाझाय जाता है मेरे वर्ग में आने वाले सभी शिक्षक मुझे बहुत प्रिय है क्लास मे पढ़ाते समय वो हर चीज को विस्तार से समझाते है, हमें अच्छी राह पर चलने का संदेश देते है।

पत्र-लेखन

बिमार मामा का हाल पूछने के लिए पत्र लिखिए।

बी-११, रामनगर

चाँदखेडा

अहमदाबाद

दिनांक-

आदरणीय मामा जी,

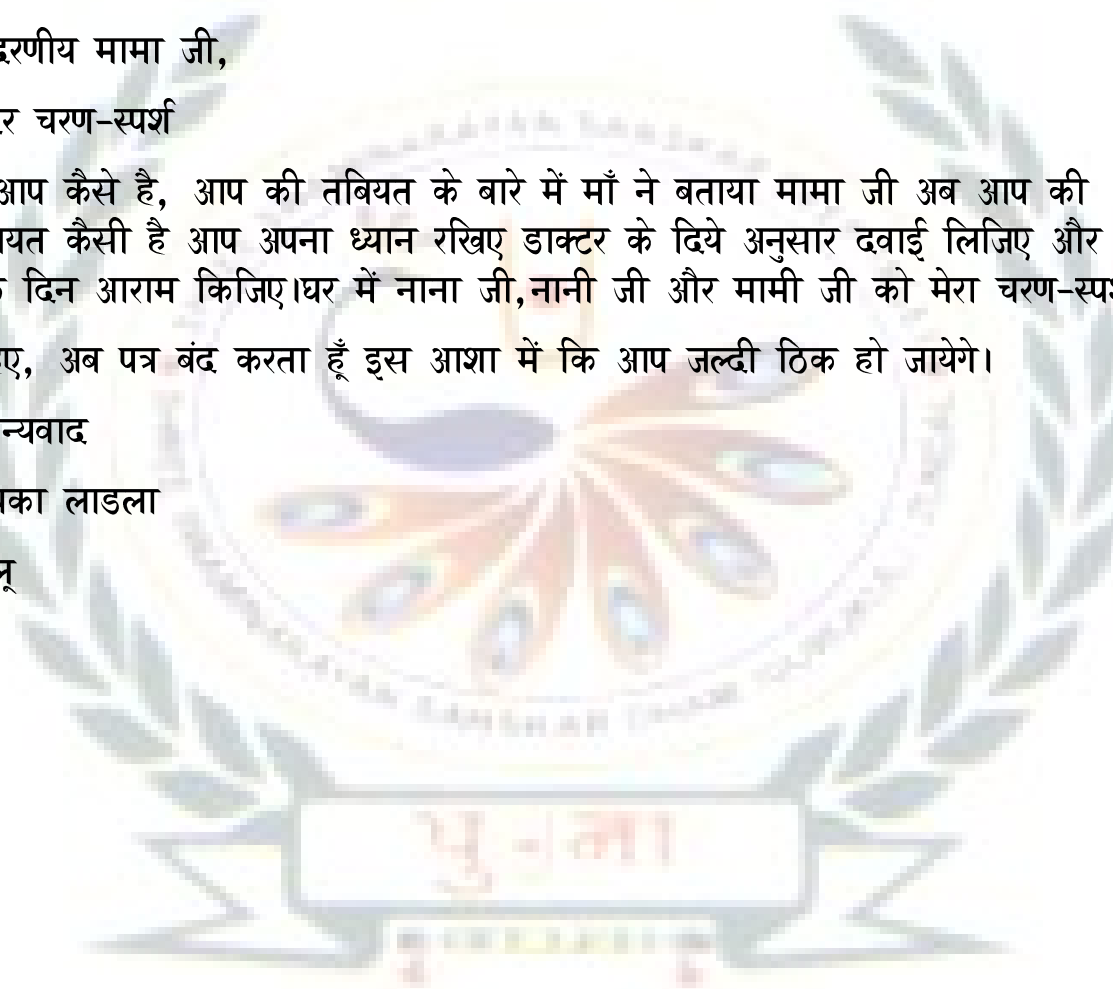
सदर चरण-स्पर्श

आप कैसे है, आप की तबियत के बारे में माँ ने बताया मामा जी अब आप की तबियत कैसी है आप अपना ध्यान रखिए डाक्टर के दिये अनुसार दवाई लिजिए और कुछ दिन आराम किजिए। घर में नाना जी, नानी जी और मामी जी को मेरा चरण-स्पर्श कहिए, अब पत्र बंद करता हूँ इस आशा में कि आप जल्दी ठिक हो जायेगे।

सधन्यवाद

आपका लाडला

मोल्





पाठ-७

दान का हिसाब

• कठिन शब्द

१-राजसभा

२-सज्जन

३-सत्कार

४-राजभंडार

५-मनोरंजन

६-उपदेश

७-दुहाई

८-अकाल

• शब्द अर्थ

१- सत्कार-आदर

२- लोभी-लालची

३- कोष-खजाना

४- हुक्म-आदेश

५- दिवालिया-कंगाल

६- दुहाई-शिकायत

७- पीडित-दुखी

८- सज्जन-अच्छा

९- प्रकोप-कहर, गुस्सा

१०- भंडार-समूह

• अतिलघु प्रश्न उत्तर।

प्र-१ राजा किस प्रकार के कपडे पहनाता था?

उ-१ लकदक कपडे।

प्र-२ लोग क्या खरीद कर अपनी जान बचाना चाहते थे?

उ-२ दूसरे देश से अनाज।

प्र-३ अचानक राजसभा मे कौन आ गया?

उ-३ एक संन्यासी।

प्र-४ संन्यासी ने राजा की तुलना किससे की?

उ-४ दानवीर कर्ण से।

• लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ राजसभा में कौन-कौन से लोग नहीं आते थे व क्यों?

उ-१ राजसभा में विद्वान, सज्जन, नामी लोग नहीं आते थे क्यों कि राजा किसी का आदर सम्मान नहीं करता था।

प्र-२ लोग राजा की कौन सी बात सुनकर निराश होकर लौट गए?

उ-२ जब राजा ने कहा कि सहायता करते-करते राजकोष खत्म हो जाएगा मैं दिवालिया हो जाऊँगा यह सुनकर लोग निराश हो कर लौट गए।

प्र-३ एक व्यक्ति के अनुसार महलों में प्रतिदिन हजारों रुपए किस पर खर्च होते हैं?

उ-३ एक व्यक्ति के अनुसार महलों में प्रतिदिन हजारों रुपए राजा के लकदक कपडे और महल की सजावट में होते हैं।

• दीर्घ प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ लोग राजा के पास क्यों आए थे एवं राजा ने उन्हें क्या कहा?

उ-१ लोग राजा के पास अनाज के लिए मदद माँगने आए थे एवं राजा ने उन्हें मदद करने से मना कर दिया और कहा कि अगर मैं ऐसे ही अगर लोगों की मदद करता रहूँगा तो एक दिन मैं ही कंगाल हो जाऊँगा।

प्र-2 हिसाब देखकर मंत्री जी को क्या हुआ? वह हिसाब का कागज किसके पास ले गए?

उ-2 हिसाब देखकर मंत्री जी को चक्कर आ गया। वह हिसाब का कागज राजा के पास ले गए।

• निबंध-दिवाली

दिवाली भारत देश का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक का त्यौहार है। इसी दिन भगवान राम १४ वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। इसी खुशी में लोगों ने अपने घरों और मार्गों को प्रकाशित किया था। जो बराई पर अच्छाई की जीत को बताता है। सिखों द्वारा भी मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा ग्वालियर जेल से अपने ६ वे गुरु की रिहाई मनाने के लिए मनाया जाता है।

इस दिन बाजारों को एक दुल्हन की तरह रोशनी से सजाया जाता है। इस दिन बाजार में बहुत भीड़ रहती है। विशेष रूप से मिठाईयों की दुकान पर भीड़ होती है। बच्चों को बाजार से नए कपड़े, पटाखे, उपहार, मोमबतियां और खिलौने मिलते हैं।

लोग अपने घरों की सफाई करते हैं और घरों को सुन्दर तरीके से सजाते हैं। उस दिन संध्या के समय माता लक्ष्मी और श्री गणेश की पूजा करते हैं। उस दिन घरों को दियो से सजाते हैं। और आतिशबाजी शुरू होती है। भारत के कुछ जगहों पर दिवाली को नया साल की शुरुआत माना जाता है साथ ही व्यापारी लोग अपने नया बही खाता से शुरुआत करते हैं।

अंधकार पर प्रकाश का विजय यह पर्व लोगों के बीच में प्रेम और एक दूसरे के प्रति स्नेह ले आता है।